हमने फिर छू लिया स्वच्छता का आसमान

दिल्ली के विज्ञान भवन में इंदौर के सिर पर फिर पहनाया ताज

इंदौर. देश में स्वच्छता को लेकर इंदौर का सरताज बरकरार है। आज दिल्ली में राष्ट्रपति की उपस्थिति में स्वच्छता अभियान के पुरस्कारों की घोषणा में इंदौर फिर स्वच्छता लीग का सरताज बन गया. दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्वारा सबसे

पहले स्वच्छता लीग में इंदौर को पुरस्कृत और सम्मानित किया गया. यह गौरव प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री, महापौर और निगम आयुक्त ने प्राप्त किया.

बताया जाता है कि इस बार अंकों का मामला था और अंको में इंदौर सोर्स सेमीग्रेशन में सूरत को पीछे छोड़ सरताज बना है. बाकी सभी वर्ग में दोनों शहरों को बराबर अंक मिले है. स्वच्छता सर्वेक्षण और लीग के पुरस्कार विजेता को आज दिल्ली में सम्मानित किया गया. विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वच्छता लीग का पहला पुरस्कार इंदौर को देकर सम्मानित किया. राष्ट्रपति के हाथों सम्मान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा ने ग्रहण किया।

महापौर की अपील, सफाई मित्रों का करें सम्मान

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर के नागरिक कल सुबह अपने मोहल्लों, कॉलोनियों और गलियों में सफाई मित्रों और बहनों का स्वागत

और सम्मान करें. आज स्वच्छता लीग में इंदौर ने 12 स्वच्छ शहरों में भी अपना स्थान बरकरार रख कर इतिहास रच दिया है. आज इंदौर सरताज और सिरमौर बना है तो सफाई मित्रों, अधिकारियों, सफाई मित्र बहनों और जनभागीदारी के कारण बना है. निगम अधिकारियों और कर्मचारियों की अथक परिश्रम का परिणाम हमको मिला है। सभी शहरवासी बधाई के पात्र है.

असली नायक सफाई मित्र : सांसद लालवानी

सांसद शंकर लालवानी ने इंदौर ने स्वच्छता में

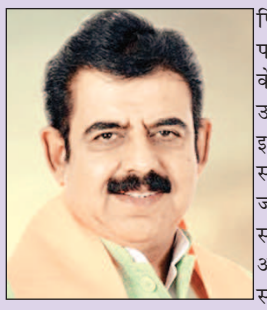

फिर अव्वल रहने पर शहरवासियों के बधाई दी है. उन्होंने कहा कि इसका श्रेय सफाई मित्रों को जाता है और वे स्वच्छता के असली नायक है. सफाई मित्रों का समर्पण, अनुशासन और सेवा से इंदौर का गौरव बड़ा है. इंदौरवासियो ने स्वच्छता को आदत और अपनी जिम्मेदारी मान लिया है, उसी का परिणाम है कि इंदौर का गौरव लगातार बढ़ता जा रहा है. लालवानी ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त शिवम वर्मा और नगर निगम के सभी अधिकारियों और सफाईकर्मियों की 8 वीं बार स्वच्छता का गौरव हासिल करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

जिम्मेदारी और बढ़ गई है : कलेक्टर

कलेक्टर आशीष सिंह ने आठवीं बार इंदौर के सॉरमर बनने पर कहा कि सबसे पहले शहरवासियों, निगम आयुक्त सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई. सफाईकर्मियों की अथक मेहनत से परिणाम

सुखद आएं है. अब हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है. हमें अतिरिक्त सावधानी के साथ स्वच्छता अभियान जिसमें इंदौर को नए कांसेप्ट में रखा गया है, उसका ध्यान रखना होगा. स्वच्छता लीग में नया सिस्टम डेवलप हो गया है, इसलिए किसी भी स्तर पर स्वच्छता में कमी नहीं लाते हुए आगे बढ़ना होगा. एक बार फिर पुन: सभी को बधाई.

इंदौर दूसरे शहरों का गाइड बना, जिम्मेदारी बहुत बढ़ गई : आयुक्त

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि 8 वीं बार इंदौर जनता के सहयोग और निगम स्वच्छता कर्मियों के कारण सिरमौर बना है. अब

हमारी जिमेददारी बढ़ गई है, क्योंकि सुपर स्वच्छता लीग सबसे आगे निकलना चुनौती थी, लेकिन हमने हर तरह से सभी शहरों से मुकाबला किया. आज हम दूसरे शहरों के गाइड और मेंटर बनने जा रहे है. बनारस शहर की सफाई व्यवस्था हमें विकसित करनी है. सुपर स्वच्छता लीग में भी हमने निगम स्वच्छता कर्मियों के सहयोग से हर बाधा को पर किया है. हमारे सफाईकर्मियों की मेहनत का परिणाम है कि हम 12 स्वच्छ शहरों से मिली चुनौती को भी जीत में बदल पाएं हैं. इसके लिए सबसे पहले बधाई के पात्र मेरे सफाईकर्मी मित्र और बहनें है. शहर की जनता का सहयोग हमारी जीत का अहम हिस्सा है और हम आशा करते है कि इंदौर की जनता हमेशा ऐसा ही सहयोग प्रदान करेगी.

सोर्स सेमीग्रेशन बना प्रमुख आधार

स्वच्छता लीग में इंदौर को सोर्स सेमीग्रेशन ने सिरमौर बनने में अहम भूमिका निभाई है. सोर्स सेमीग्रेशन में इंदौर को 98 प्रतिशत अंक मिले है, जबकि सूरत को 92 और अहमदाबाद को 94 प्रतिशत अंक मिले है. इस तरह टोटल कुल अंको में से 99.75 प्रतिशत अंक हमारे विजेता बनने का आधार बने हैं.

क्या है सोर्स सेमीग्रेशन?

विभिन्न तरह के गीले सूखे कचरे में से कांच, कपड़ा, प्लास्टिक, खाद्य पदार्थ, चमड़ा, रेपर्स और अन्य रूप का कचरा अलग अलग करने की प्रोसेस की जाती है. इस प्रोसेस में खाद्य बनाने लायक कचरा अलग किया काट है. उसमें गीला और सूखे कचरे की सोर्स सेमीग्रेशन भी अलग होती है. खास बात यह है कि कांच, प्लास्टिक, चमड़े, रेपर का री यूज यानी पुन: उपयोग किया जा रहा है.

दूसरे शहरों के मेंटर

स्वच्छता में पूरे देश में इंदौर ने पीएचडी हासिल कर ली है. हम स्वच्छता के सभी नवाचार कर रहे है. नित नए आयाम से इंदौर देश में अब दूसरे शहरों को सफाई सीख देगा. उन शहरों का मेंटर बनेगा. अभी हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकसभा सीट वाराणसी के मेंटर बनने जा रहे है. इसके बाद डेढ़ के कई राज्यों से सफाई मॉडल विकसित करने का काम इंदौर नगर निगम को मिलने की संभावना है.

रात और दिन सफाई व्यवस्था का परिणाम

इंदौर सुपर स्वच्छता लीग में इंदौर का टॉप पर आना अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के मैनेजमेंट का बड़ा महत्व है. उन्होंने अलग अलग क्षेत्रों में रात और दिन मशीन और सफाईकर्मियों के साथ विशेष योजना बनाकर विभिन्न स्थानों पर मशीन और मैनुअल सफाई करवाई. ड्रेनेज हो या पानी की लाइन इस पर बहुत ध्यान दिया गया. रात सड़कों पर मशीन से ब्रशिंग और डिवाइडर की प्रेशर से धुलाई सब पर नजर रखी गई. इसके साथ ही कचरा गाड़ियों का रिप्लेसमेंट और गाड़ियों के मैकेनिकल वर्क पर भी फोकस किया. सबसे बड़ी बात सफाईकर्मियों और मशीनरी टूल्स के बीच सामंजस्य स्थापित कर सफाई के मिशन का रूप दिया और आज इंदौर नंबर वन पर बरकरार है. यह सब अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा की कार्य प्रणाली से संभव हुआ है.

कचरे से बनी गैस में एशिया का सबसे बड़ा सीएनजी प्लांट

इंदौर ऐसे ही नंबर वन नहीं आ रहा है. इंदौर देवगुराडिया स्थित कचरा प्रोसेसिंग प्लांट पर निगम द्वारा एशिया का सबसे बड़ा सीएनजी प्लांट कार्य कर रहा है. पहले इसकी क्षमता 550 मिट्रिक टन की थी, जो अब 860 मिट्रिक टन कचरा प्रोसेस होने से बायो सीएनजी गैस का निर्माण हो रहा है. उक्त गैस से बड़ा हिस्सा निगम द्वारा संचालित सिटी बसों में उपयोग किया जा रहा है. इससे निगम को करोड़ों रुपए के बचत हो रही है.

अलग-अलग स्थानों पर कचरा स्टेशन और एसटीपी प्लांट

इंदौर में नगद निगम ने अलग अलग स्थानों पर कचरा स्टेशन बनाकर कचरे का प्रोसेस किया जा रहा है. हर स्टेशन पर पांच से आठ वार्डो का चारा एकत्र किया जाता है. वहां से फिर आगे बड़ी गाड़ियों में प्रोसेसिंग यूनिट भेजा जाता है. शहर में ड्रेनेज सिस्टम कर लिए अलग अलग क्षेत्रों में एसटीपी प्लांट स्थापित किए गए है, जिनमें गंदे पानी को साफ कर रियूज किया जा रहा है.

वॉटर प्लस सिटी का तमगा और सेवन स्टार रैंकिंग भी हासिल

नगर निगम इंदौर वॉटर प्लस सिटी का तमगा भी बरकरार रखने में कामयाब रहा है. इसकी वजह है कि शहर में कान्ह सरस्वती नदी में आउटलेट बंद कर समांतर सिवरेज लाइन डालना है. दूसरा शहर जल स्रोत कुएं, बावड़ी और तालाब का बड़े पैमाने पर सफाई कर पुन: शुद्ध जल स्त्रोत बदलना है. वहीं सेवन स्टार रेंकिंग में सफाई के सभी मानकों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से भागीदारी कर कचरे से लेकर सड़क तक सफाई का विशेष ध्यान दिया. इससे हमारी रेंकिंग यथावत रही है.

घोषणा होते ही निगम प्रांगण में जश्न, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने ठुमके लगाए

स्वच्छता लीग के परिणामों में इंदौर के नाम की सबसे पहले घोषणा होने के साथ नगर निगम में जश्न मनना शुरू हो गया. अधिकारी, कर्मचारी, सफाईमित्र और जनप्रतिनिधि सब खुशी से झूम उठे. इसके बाद निगम प्रांगण में आतिश बाजी शुरू हो गई और मिठाई बांटी गई. इसके बाद सफाईकर्मियों के साथ ढोलक की थाप पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, एनजीओ और

कर्मचारियों ने जमकर ठुमके लगाए. यह सिलसिला करीब 1 घंटे से ज्यादा देर तक चला.

पुरस्कारों की घोषणा के बाद सभी एक दूसरे को बधाई देते हुए नजर आ रहे थे. इसके पहले निगम परिसर में सभी अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, सचिव सहित बड़ी संख्या में एलईडी स्क्रीन के सामने पुरस्कार का लाइव प्रसारण देखने के लिए इकट्ठा हो गए थे. निगम परिसर में अधिकारियों के साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी, सफाई मित्र, सफाईमित्र बहनें, लाइव प्रसारण के लिए स्क्रीन पर अवार्ड्स मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. राजबाड़ा पर भी एनजीओ और सफाई मित्रों के साथ जनता भी पुरस्कारों की घोषणा का इंतजार करते हुए स्क्रीन पर निगाह गढ़ाए बैठे थे. इंदौर के नाम की घोषणा होते ही मौजूद एनजीओ, सफाई मित्र और बहनें झूमने लगे और आतिशबाजी के साथ में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई.